Sixteenth Loksabha

an>

title: Regarding loss of crops due to animal menace in the country.

श्रीमती संतोष अहलावत (झुन्झुनू): माननीय अध्यक्ष महोदया,मैं आपको बहुत आभार व्यक्त करना चाहती हूं कि आपने मुझे शून्यकाल में बोलने का मौका दिया।

महोदया, धरती का सीना चीरकर हल्की नोंक से, किसान अन्न उपजाकर चींटी से हाथी तक का पेट भरता है। मैं आपके माध्यम से उसकी बहुत बड़ी समस्या के बारे में भारत सरकार से कहना चाहती हूं। इस बार मानसून अच्छा रहा और सब जगह खरीफ की फसलें लगभग बहुत अच्छी स्थिति में खड़ी हैं, लेकिन आप यकीन मानिए, आवारा पशुओं के कारण किसान रात को आधा घंटा भी नहीं सो पाता है।

महोदया, बहुत बड़ी संख्या में नीलगाय और आवारा पशु हो गए हैं। छोटे किसान तारबंदी कराने में भी सक्षम नहीं हैं। मैंने पहले भी एक बार यह मुद्दा उठाया था। आप भी ऐसे ही एरिया से आती हैं। सब किसान आपके संपर्क में भी हैं। अत: मेरी और समस्त किसानों की तरफ से आप आदरणीय प्रधान मंत्री जी और कृषि मंत्री जी तक यह बात पहुंचाएं।

मैं प्रधानमंत्री जी का आभार व्यक्त करना चाहती हूँ। वर्ष 2022 तक किसान की आमदनी को दो गुना करने के लिए काफी योजनायें बनायी गई हैं। इससे किसान खुश भी बहुत है। मैं अभी क्षेत्र से आई हूँ। बारिश के समय में बेचारा किसान खेत में झोपड़ा बनाकर रात भर कभी उसकी पत्नी, कभी वह और कभी उसके बच्चे पहरा देते हैं। मैडम, किसान की इस समस्या का निदान होना बहुत आवश्यक है। मैं आपका पुन: आभार व्यक्त करती हूँ।

माननीय अध्यक्ष:

श्री भगवंत मान,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री सुमेधानंद सरस्वती,

श्री हरीश मीना,

श्री शरद त्रिपाठी,

श्री देवजी एम. पटेल,

श्रीमती रेखा वर्मा,

श्री चन्द्र प्रकाश जोशी,

श्री कौशलेन्द्र कुमार और

श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा को श्रीमती संतोष अहलावत द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।